



न्यूज़बीफ

डेनमार्क ओपन में भारतीय चुनौती समाप्त, तन्वी और त्रीसा-गायत्री क्वार्टर फाइनल में हारीं

ओडेस (डेनमार्क)। डेनमार्क ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों का अभियान क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। महिला एकल में तन्वी शर्मा और महिला युगल में त्रीसा जाली तथा गायत्री गोपीवंद को हार का सामना करना पड़ा। भारत की आखिरी उम्मीद तन्वी शर्मा को महिला एकल क्वार्टर फाइनल में विश्व की नंबर एक और शीर्ष वरीयता प्राप्त दक्षिण कोरिया की आन से यंग ने 21–15, 21–13 से हराया। 38 मिनट तक चले मुकाबले में विश्व रैंकिंग में 24वें स्थान पर काबिज तन्वी ने शुरुआत में अच्छ प्रदर्शन किया, लेकिन वह अपनी लय बरकरार नहीं रख सकी। इससे पहले महिला युगल में भारत की त्रीसा जाली और गायत्री गोपीवंद की जोड़ी को मलेशिया की पर्ली टैन और थिनाह मुरलीधरन के खिलाफ 14–21, 21–17, 21–11 से हार झेलनी पड़ी। विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान पर काबिज भारतीय जोड़ी ने मुकाबले की अच्छी शुरुआत की और पहले गेम के मध्यांतर तक 11-7 की बढ़त बना ली। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने पहला गेम आसानी से अपने नाम किया। हालांकि, विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान पर मौजूद मलेशियाई जोड़ी ने दूसरे गेम में वापसी करते हुए मुकाबला बराबर कर दिया। निर्णायक गेम में पर्ली और थिनाह ने दबदबा बनाते हुए भारतीय जोड़ी को उलटफेर करने का मौका नहीं दिया। मलेशियाई जोड़ी ने इसी महीने जापान में हुए एशियाई खेलों के क्वार्टर फाइनल में भी त्रीसा और गायत्री को हराकर बाहर का रास्ता दिखाया था। इससे पहले भारत के कई प्रमुख खिलाड़ी टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में ही बाहर हो गए थे। इनमें पीवी सिंधु, उन्नति इड्डा, सात्विकसाईंराज रवीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी, लक्ष्य सेन तथा आयुष शेट्टी शामिल हैं। पुरुष एकल में किदाबी श्रीकांत ने दूसरे दौर तक जगह बनाई, लेकिन वहां उन्हें फ्रांस के मौजूदा विश्व चैंपियन एलेक्स लानियर के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

आईपीएल 2027: चामिंडा वास बने दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजी कोच

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स ने 2027 सत्र से पहले श्रीलंका के दिग्गज तेज गेंदबाज चामिंडा वास को अपना गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। वास पिछले दो सत्रों से इस जिम्मेदारी को संभाल रहे मुनाफ पटेल की जगह लेंगे। दिल्ली कैपिटल्स ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उनकी नियुक्ति की घोषणा की। फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, विश्व कप विजेता और श्रीलंका के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक। टाइगर टेस्ट्रिटी में आपका स्वागत है, कोच। श्रीलंका के सबसे चर्चित क्रिकेटरों में शामिल वास ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में गेंद और बल्ले, दोनों से योगदान दिया। वह श्रीलंका की ओर से टेस्ट क्रिकेट में तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उनके नाम 111 टेस्ट मैचों में 355 विकेट दर्ज हैं। वहीं, एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वह श्रीलंका के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

सहवाग के बेटे आर्यवीर ने वीनू मांकड़ ट्राफी में खेली धमाकेदार पारी,चंडीगढ़ के खिलाफ 173 रन बनाये

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग ने यहां जारी घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंट वीनू मांकड़ ट्राफी में शानदार बल्लेबाजी करते हुए चंडीगढ़ के खिलाफ 173 रनों की शतकीय पारी खेली है। 18 साल के आर्यवीर ने दिल्ली की कप्तानी करते हुए 143 गेंदों में तेजी से 173 रन

बनाये। इस युवा बल्लेबाज ने अपनी आक्रामक पारी से विरोधी टीम को कोई अवसर नहीं दिया। इस बल्लेबाज ने अपनी पारी में 19 शानदार चौके और आठ छक्के लगाये। इससे दिल्ली की टीम 50 ओवरों में छह विकेट पर 289 रनों बनाने में सफल रही। वहीं इससे पहले दिल्ली को कर्नाटक के खिलाफ पहली मैच में हार झेलनी पड़ी थी। तब दिल्ली ने 418 रन दिये थे और इसके बाद 220 रनों पर सिमट गयी थी। उस मैच में आर्यवीर ने 32 रन बनाए थे पर वह अपनी पारी को एक बड़े स्कोर में बदलने में विफल रहे थे। इस बार, उन्होंने अपनी कप्तानी पारी से टीम का जबरदस्त जीत दिलायी। चंडीगढ़ के खिलाफ टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करनी का फैसला करते हुए, आर्यवीर ने सलामी बल्लेबाज अर्नव के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 98 रन बनाये। इससे दिल्ली की अच्छी शुरुआत मिल गयी। अर्नव के आउट होने के बाद, आर्यवीर ने विकेटकीपर-बल्लेबाज अभिराज सिंह 18 रन के साथ तीसरे विकेट के लिए 48 रनों की अहम साझेदारी निभाई, जिससे दिल्ली का स्कोर 2 विकेट पर 107 रन हो गया।

नईदुनिया

ईसीबी ने भारत दौरे के लिए इंग्लैंड ए टीम घोषित की, फाइलर, वॉंग और कोलमैन शामिल

लंदन
इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने इस साल के अंत में होने वाले भारत दौरे के लिए इंग्लैंड ए महिला टीम के खिलाड़ियों की घोषणा कर दी है। इस दौरे के लिए टीम में तेज गेंदबाज लारेन फाइलर, इस्सी वॉंग और बाएं हाथ की स्पिनर टिली कार्टीन-कोलमैन सहित युवा और अनुभवी खिलाड़ी शामिल हैं। ये तीनों खिलाड़ी इस साल टी20 विश्व कप में उपविजेता रही इंग्लैंड की सीनियर टीम का भी हिस्सा थीं। भारत ए के खिलाफ इस दौरे में इंग्लैंड ए टीम तीन टी20, तीन एकदिवसीय और एक चार दिवसीय मैच सहित कुल सात मुकाबले खेलेगी। इसका लक्ष्य भविष्य के लिए खिलाड़ियों को तैयार करना है।

इस दौरे के लिए चुनी गई टीम काफी अनुभवी

है, जिसमें 11 खिलाड़ियों ने पहले ही इंग्लैंड के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला है। मैडी विलियर्स और जोडी ग्रेवकाक, जिन्होंने इस साल इंग्लैंड के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया, उन्हें तीनों फार्मेट की टीमों में शामिल किया गया है। उनके साथ टी20 विश्व कप फाइनलिस्ट लारेन फाइलर, इस्सी वॉंग और टिली कार्टीन-कोलमैन भी सभी प्रारूपों का हिस्सा होंगी। वार्विकशायर की आलराउंडर चैरिस पैवेली और सरे की विकेटकीपर-बल्लेबाज किरा चथली भी तीनों फार्मेट में चुनी गई हैं। किरा ने हाल ही में भारत ए के खिलाफ इंग्लैंड ए की सीमित ओवरों की सीरीज में टीम की कप्तानी की थी। ग्रेस स्क्रिवेंस, जिन्होंने हाल ही में भारत ए के खिलाफ एकदिवयसय सीरीज में सर्वाधिक रन बनाए थे और 2023 अंडर-19 महिला टी20

विश्व कप में इंग्लैंड का नेतृत्व किया था, उन्हें भी एकदिवसीय और चार दिवसीय मैचों की टीम में शामिल किया गया है। वहीं, सरे की तेज गेंदबाज रियाना मैकडोनाल्ड-गे, जिन्होंने टी20 सीरीज में सर्वाधिक विकेट लिए थे, उन्हें एकदिवसीय और टी20 दोनों टीमों में जगह मिली है। इंग्लैंड ए के मुख्य कोच जान जेजे लुईस ने टीम चयन के पीछे की रणनीति स्पष्ट करते हुए कहा कि यह सिर्फ मौजूदा सीरीज के लिए नहीं है, बल्कि उन खिलाड़ियों को तैयार करने पर केंद्रित है जो जल्द ही सीनियर टीम में जगह बना सकते हैं। उन्होंने जोर दिया कि आगामी एशेज सीरीज को ध्यान में रखते हुए, टीम प्रबंधन चाहता है कि संभावित खिलाड़ियों को भारत के मजबूत खिलाड़ियों के खिलाफ प्रतिस्पर्धी मुकाबलों में खेलने का बहुमूल्य अनुभव मिले, खासकर 50 ओवर और

चार दिवसीय प्रारूपों में। इस दौरे पर तीन टी20 मुकाबले 30 नवंबर, 3 दिसंबर और 5 दिसंबर को पुणे के एमसीए स्टेडियम में खेले जाएंगे। इसके बाद 8, 11 और 14 दिसंबर को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में तीन वनडे मैच होंगे। दौरे का समापन 19 से 22 दिसंबर तक चलने वाले चार दिवसीय मुकाबले के साथ होगा। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बताया है कि तीनों टीमों के कप्तानों के नाम बाद में घोषित किए जाएंगे।

इंग्लैंड ए एकदिवसीय टीम: हन्ना बेकर, ग्रेस बैलिंगर, किरा चथली, टिली कार्टीन-कोलमैन, लारेन फाइलर, केटी जार्ज, जोडी ग्रेवकाक, बेस होथ, नियाम हार्लैंड, एम्मा लैम्ब, रियाना मैकडोनाल्ड-गे, चैरिस पैवेली, ग्रेस पाट्स, ग्रेस स्क्रिवेंस, एली थ्रेलकेल्ड, मैडी विलियर्स और इजी वॉंग।

हांगकांग सिक्सेस में भारत की कप्तानी करेंगे कृणाल पांड्या

भुवनेश्वर की जगह कुलवंत खेजरोलिया को मौका

हांगकांग

भारतीय आलराउंडर कृणाल पांड्या 30 अक्टूबर से एक नवंबर तक होने वाले हांगकांग सिक्सेस 2026 में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार के न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में चुने जाने के बाद उनकी जगह गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज कुलवंत खेजरोलिया को सात सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है।

कृणाल की अगुवाई वाली भारतीय टीम में शशांक सिंह, राहुल तेवतिया, नितीश राणा, राहुल त्रिपाठी, टी. नटराजन और कुलवंत खेजरोलिया शामिल हैं। टीम में इंडियन प्रीमियर लीग का अनुभव रखने वाले खिलाड़ियों के साथ नसुराम भटनागर ने कहा, हांगकांग सिक्सेस 2026 में भुवनेश्वर कुमार की कमी निश्चित रूप से खेलेंगी, लेकिन हमें खुशी है कि उन्हें राष्ट्रीय टीम में वापसी का मौका मिला है। चार साल बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनकी वापसी एक विशेष उपलब्धि है। हम न्यूजीलैंड दौरे के लिए उन्हें शुभकामनाएं देते हैं। हमें उम्मीद है कि भविष्य में वह फिर हांगकांग सिक्सेस में खेलेंगे।

हांगकांग सिक्सेस के लिए भारतीय टीम: कृणाल पांड्या (कप्तान), शशांक सिंह, राहुल तेवतिया, नितीश राणा, राहुल त्रिपाठी, टी. नटराजन और कुलवंत खेजरोलिया।

विल्फ्रेड रोड्सः क्रिकेट के वो बेजोड़ रिकार्ड जिन्हें तोड़ना आज भी है नामुमकिन

लंदन

विश्व क्रिकेट के इतिहास में अगर किसी खिलाड़ी का करियर सबसे लंबा और बेजोड़ रहा है, तो वह गुजरे जमाने के इंग्लैंड के महान क्रिकेटर विल्फ्रेड रोड्स हैं। तीन दशकों तक चले अपने करिश्माई करियर से रोड्स ने एक ऐसा कीर्तिमान स्थापित किया जिसे छूना तो दूर, उसके करीब भी कोई खिलाड़ी नहीं पहुंच पाया है। उनके रिकार्ड इतने विशाल और अविश्वसनीय हैं कि आधुनिक युग के महानतम बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर भी उनसे काफी पीछे नजर आते हैं, जो अपने आप में रोड्स की असाधारण प्रतिभा और लंबी आयु का प्रमाण हैं।

विल्फ्रेड रोड्स का अंतरराष्ट्रीय करियर 1899 में शुरू हुआ और 1930 तक, यानी पूरे 30 साल और 315 दिनों तक चला। यह एक ऐसा आंकड़ा है जो क्रिकेट जगत में आज भी बेमिसाल है। उन्होंने 52 साल की उम्र में अपना अंतिम टेस्ट मैच खेला, जो उनकी शारीरिक फिटनेस और खेल के प्रति समर्पण को दर्शाता है। यह उम्र कई क्रिकेटरों के संन्यास लेने के बाद कोच या कमेंटेटर बनने की होती है, लेकिन रोड्स तब भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय थे। उनके रिकार्ड केवल अंतरराष्ट्रीय करियर की लंबाई तक ही सीमित नहीं हैं। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में विल्फ्रेड रोड्स द्वारा खेले गए कुल 1,110 मैच एक ऐसा आंकड़ा है जिसे तोड़ना आज के दौर में किसी भी क्रिकेटर के लिए संभव नहीं है। आज जहां खिलाड़ियों का वर्कलोड मैनेज किया जाता है और कुछ सौ फर्स्ट-क्लास मैच खेलना ही बड़ी उपलब्धि मानी जाती है, वहां रोड्स के आंकड़े कल्पना से भी परे हैं। एक आलराउंडर के रूप में उन्हें खेल के हर पहलू में महाारत हासिल थी।

उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक घातक गेंदबाज के रूप में की, फिर अपनी बल्लेबाजी में सुधार करके एक कुशल मध्यक्रम बल्लेबाज से होते हुए एक सफल सलामी बल्लेबाज के तौर पर अपनी पहचान बनाई। फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में 4,000 से अधिक विकेट लेने और 39,000 से अधिक रन



उन्होंने इस संबंध में कुछ चर्चाएं की हैं, लेकिन अभी तक कोई परिणाम नहीं निकला है। स्टार्क के लिए आगामी समय काफी चुनौतीपूर्ण है। वह

एकदिवसीय और टेस्ट क्रिकेट दोनों में सक्रिय हैं पर टेस्ट क्रिकेट उनकी खास प्राथमिकता है। जनवरी-फरवरी में आस्ट्रेलिया को भारत में पांच

टेस्ट मैचों की महत्वपूर्ण सीरीज खेलनी है। इसके तुरंत बाद, मार्च के दूसरे सप्ताह में इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज के 150 साल पूरे होने पर एक ऐतिहासिक टेस्ट मैच मेल्बर्न में खेला जाएगा। इन लगातार अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के ठीक बाद आईपीएल का आयोजन होगा, जिससे स्टार्क के लिए दो महीने तक चलने वाले इस गहन टूर्नामेंट में भाग लेना बेहद मुश्किल हो जाएगा।

इसके अलावा, जून में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल भी निर्धारित है, जो एक और बड़ी चुनौती पेश करेगा। अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप की तैयारी भी उन्हें करनी है।

अभी वह दक्षिण अफ्रीका में तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेल रहे हैं। ऐसे व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए उन्हें आराम के लिए भी समय चाहिए। आस्ट्रेलियाई टीम के हेड कोच एंड्रयू

मैकडोनाल्ड ने भी इस स्थिति पर अपनी बात रखी है। उन्होंने बात पर जोर दिया कि फ्रेंचाइजी प्रतिबद्धताओं और राष्ट्रीय कर्तव्य के बीच संतुलन बनाना एक बड़ी चुनौती है। मैकडोनाल्ड ने स्वीकार किया कि आईपीएल एक उच्च-कैलिबर टी20 टूर्नामेंट है जो खिलाड़ियों के विकास में मदद करता है, लेकिन साथ ही उन्होंने शारीरिक प्रबंधन (फिजिकल मैनेजमेंट) को सबसे महत्वपूर्ण बताया।

दिल्ली कैपिटल्स के संदर्भ में बात करें तो, टीम ने आईपीएल 2026 की नीलामी में स्टार्क को 11.75 करोड़ रुपये की बड़ी रकम में खरीदा था। हालांकि, उस सीजन में चोट के कारण वे केवल 6 मुकाबले ही खेल पाए थे और टीम को उनकी कमी खली थी।

अब जबकि आईपीएल 2027 के लिए रिटेंशन से पहले टीम अपनी रणनीतियों को अंतिम रूप दे रही होगी, स्टार्क का संभावित बाहर रहना दिल्ली कैपिटल्स के लिए एक बड़ा झटका होगा।

टी20 अंतरराष्ट्रीय में अर्शदीप के नाम है ये अनचाहा रिकॉर्ड

मुम्बई

भारतीय टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने पिछले कुछ समय में सीमित ओवरों में अपने शानदार प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। हालाँकि इसके बाद भी उनके नाम एक ऐसा रिकार्ड दर्ज है जिससे वह भूलना चाहेंगे। ये है टी20 प्रारूप में सबसे ज्यादा वाइड और नो बाल फेंकने का। मौजूदा आंकड़ों के अनुसार, अर्शदीप सिंह ने अपने छोटे से करियर में अब तक कुल 150 अतिरिक्त गेंदें फेंकी हैं। इनमें हैरान करने वाले 132 वाइड और 18 नो बाल शामिल हैं, जो दर्शाते हैं कि विकेट लेने की उनकी क्षमता के बावजूद, लाइन और लेंथ पर नियंत्रण में सुधार की काफी गुंजाइश है। टी20 जैसे दबाव वाले फार्मेट में ये अतिरिक्त गेंदें न केवल विपक्षी टीम को मुफ्त के रन देती हैं, बल्कि गेंदबाज पर अनावश्यक दबाव भी बढ़ाती हैं और मैच का रुख पलटने की क्षमता रखती हैं। इतने अधिक एक्स्ट्रा रन देना किसी भी टीम के लिए चिंता का विषय हो सकता है, खासकर करीबी मैचों में।

इस अनचाही सूची में अर्शदीप के बाद, बांग्लादेश के अनुभवी तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान दूसरे स्थान पर हैं, जिनके नाम कुल 146 अतिरिक्त गेंदें (135 वाइड और 11 नो बाल) दर्ज हैं। यह आंकड़े उनकी गेंदबाजी में भी समान समस्या को दर्शाते हैं। वहीं, आयरलैंड के मार्क अंडावर 143 अतिरिक्त गेंदों (132 वाइड और 11 नो बाल) के साथ तीसरे पायदान पर हैं। यह दर्शाता है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष गेंदबाजों के लिए भी लगातार सटीकता बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है, खासकर जब वे पावरप्ले या डेथ ओवरों में विकेट लेने की कोशिश करते हैं।

इस सूची में कई और बड़े नाम भी शामिल हैं। भारत के आलराउंडर हार्दिक पांड्या ने 116 अतिरिक्त गेंदें (112 वाइड और 4 नो बाल) फेंकी हैं, जो उनके अनुभव के बावजूद नियंत्रण में कमी को दर्शाती हैं। जिम्बाब्वे के रिचर्ड नगरावा भी पांड्या के बराबर 116 अतिरिक्त गेंदों के साथ खड़े हैं (96 वाइड और 20 नो बाल)। इनके अलावा, न्यूजीलैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज टिम साउडी 113 अतिरिक्त गेंदों, वेस्टइंडीज के रोमारियो शेफर्ड 112 और जेसन होल्डर 111 वाइड और नो बाल के साथ इस सूची में हैं। दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा के नाम 105, जबकि आस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क के नाम 101 अतिरिक्त गेंदें दर्ज हैं, जो यह साबित करता है कि यह एक सार्वभौमिक समस्या है जिसका सामना कई अंतरराष्ट्रीय स्तर के गेंदबाज करते हैं।

टी20 क्रिकेट में एक गेंदबाज के लिए अपनी लाइन

एचएमजी नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स अवॉर्ड 35 खेल हस्तियां होंगी सम्मानित

भोपाल। एचएमजी स्पोर्ट्स 31वें नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स राष्ट्रीय खेल अवॉर्ड समारोह में देश-प्रदेश की 35 खेल हस्तियों को सम्मानित किया जाएगा। आयोजन 30 अक्टूबर को सुबह 11:30 बजे जागरण लेक सिटी यूनिवर्सिटी (जेएलयू), भोपाल में होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खेल एवं सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग होंगे।

एशियन गेम्स 2026 के हॉकी और सॉफ्ट टेनिस पदक विजेता इशिका चौधरी और जय मीणा को मध्य प्रदेश खेल रत्न से सम्मानित किया जाएगा। वहीं, कॉमनवेल्थ तलवारबाजी प्रतियोगिता की स्वर्ण और रजत पदक विजेता खुशी दाभाड़े को स्पोर्ट्स वुमेन ऑफ द ईयर अवॉर्ड मिलेगा। द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित और मध्य प्रदेश कुश्ती अकादमी के मुख्य कोच महसिंह राव को लाइफटाइम अवॉर्ड प्रदान किया जाएगा।

नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स के संपादक एवं आयोजन सचिव इंद्रजीत मौर्य ने बताया कि इस वर्ष पुरस्कारों के लिए देशभर से 450 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए थे। चयन समिति ने इनमें से 35 खिलाड़ियों और खेल हस्तियों का चयन किया है। विभिन्न श्रेणियों में खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, खेल प्रमोटरों, पत्रकारों, संस्थानों और क्लबों को सम्मानित किया जाएगा।

मुम्बई

आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क

शायद ही आईपीएल 2027 सत्र खेल पाये। इसका कारण उनका व्यस्त

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कार्यक्रम है। स्टार्क

आईपीएली में दिल्ली कैपिटल्स में शामिल हैं। ऐसे में उनके जैसे प्रमुख

तेज गेंदबाज के बाहर होने से टीम की

मुश्किलें बढ़ जाएंगी। स्टार्क ने स्वयं

कहा है कि आस्ट्रेलिया के बेहद व्यस्त

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कार्यक्रम के कारण

अगले आईपीएल सत्र में उनके खेलने

की संभावना नहीं है।